ISSN 2395-051X

आजादी के बाद भारत का चहुंमुखी विकास

डॉ. प्रतिमा खरे

प्राध्यापक, वनस्पति शास्त्र

शास. स्वशासी कन्या स्नातकोत्तर उत्कृष्टता महाविद्यालय, सागर

सारांश-

स्वतंत्रता के बाद भारत के विकास को पंख मिले, क्योंकि भारतीयों ने आजादी के बाद अपने आप को भारत के सर्वांगीण विकास के लिये प्रेरित किया। क्योंकि भारत को हर एक क्षेत्र जैसे कि कृषि, चिकित्सा, अंतरिक्ष, आवागमन, राजमार्गों का निर्माण, बांधों का निर्माण, शिक्षा क्षेत्र में प्रगति, वैज्ञानिक गतिविधियों को बढ़ाना अपने आप को आत्मनिर्भर बनाना है और हुआ भी ऐसा ही भारत ने अपनी विविधता में एकता के सूत्र व दृढ़ निश्चय से चहुंमुखी विकास किया। इसमें भारत की चिकित्सा प्रणाली व भारतीय डॉक्टरों व चिकित्सा संस्थानों का योगदान अविस्मरणीय है। स्वतंत्रता के बाद भारत ने शिक्षा, डिजिटल इंडिया, प्रौद्योगिकी, उत्पादन, संचार व रोजगार के क्षेत्रों में अनेकों उपलब्धियां हॉसिल की हैं।

मुख्य शब्द - चहुंमुखी विकास, चिकित्सा, अंतरिक्ष, कृषि, आवागमन, संचार।

प्रस्तावना-

इस वर्ष हमारे देश की आजादी की 75वीं वर्षगाठ है। आजादी के इन 75 वर्षों बाद हमारे देश में अनेक परिवर्तन हुये हैं। हमारे देश ने पिछड़े देश से लेकर विकासशील देश का सफर इन वर्षों में पूरा किया है और अब हम विकसित देश बनने की ओर अग्रसर हो रहे है। वह दिन अब ज्यादा दूर नहीं जब हम विकसित देशों में शुमार हो जायेगें। हमारे देश के विकास में विज्ञान जगत का महत्वपूर्ण योगदान है। हमारे वैज्ञानिकों ने लगातार अथक मेहनत से देश को विश्व पटल पर रेखांकित किया है, चाहे वो आवागमन के साधन हो, संचार क्रांति हो, अंतरिक्ष का क्षेत्र हो या फिर देश की सुरक्षा का क्षेत्र हो, आज हमार देश दुनिया में हर क्षेत्र में अग्रणी होता जा रहा है मेडिसिन के क्षेत्र में अद्वितीय परिवर्तन हुये हैं। आज बड़ी से बड़ी बीमारी पर आसानी से काबू पाया जा सकता है।

आजादी के समय हमारा देश गरीब एवं संसाधनों में पिछड़ा हुआ था खाने लायक अनाज भी उपलब्ध नहीं हो पाता था बहुत सारी जीवन हेतु आवश्यक चीजें हमें विदेशों से आयात करना पड़ती थी, पर आज आत्मनिर्भर हो रहे है, लगातार तरक्की कर रहे है और विश्व स्तर पर हमारा देश अब अग्रणी हो रहा है। बदलाव के इन घटकों में रोजगार, आर्थिक विकास, किसानों की आय वृद्धि आदि शामिल है प्रतिरक्षा के क्षेत्र

ISSN 2395-051X

में तो आज देश में बहुत बड़ी उपलब्धियाँ हासिल की है अत्याधुनिक हथियार जो विदेशों के पास में भी नहीं है वो भी आज हमारे पास उपलब्ध है। बैंकिंग क्षेत्र में भी विज्ञान ने बहुत प्रगति की है। किसी ने सोचा नहीं था कि रात में भी एटीएम से पैसे निकाले जा सकते है आज कोरोना (Covid-19) जानलेवा बीमारी का इलाज भी मेडिकल साइंस की बदौलत उपलब्ध हो चुका है देशी दो वैक्सीन तैयार कर ली गई है। इन सबमें विज्ञान का विकास महत्वपूर्ण है जिसके कारण हमारे देश में आजादी के बाद महत्वपूर्ण परिवर्तन हुये है। कुछ महत्वपूर्ण परिवर्तन निम्न है -

(1) आवागमन के क्षेत्र में - आजादी के बाद हमारे देश की सबसे बड़ी समस्या थी आवागमन के साधन नहीं थे, सड़के नहीं थी। हमारे वैज्ञानिकों की कोशिश से नई मशीनों के निर्माण का कार्य हमारे देश में किया गया, नये वाहनों का निर्माण किया गया। फलस्वरूप कई राजमार्गों का निर्माण किया गया। रेलवे लाइनों का विकास किया गया। पहले भाप इंजन भी विदेशों से मँगवाना पड़ते थे आज हमारे पास उन्नत किस्म के इलेक्ट्रिक इंजन एवं उन्नत किस्म की मेट्रो परियोजना महानगरों में चल रही है जिसमें न केवल आवागमन सुगम हुआ बल्कि देश के एक कोने से दूसरे कोने तक माल की आसानी से परिवहन हो रहा है। विकास में वायुयान द्वारा कम समय में लम्बी दूर तय कर ली जाती है जिससे विदेशों में आवागमन सुगम हो गया है।

(2) संचार के क्षेत्र में - आजादी के बाद सबसे बड़ी समस्या संचार के सुगम साधन नहीं होना था अतः इस क्षेत्र में कार्य करना आवश्यक था पहले टेलीफोन का विकास फिर मोबाइल क्रांति से संचार के साधनों में अभूतपूर्व तरक्की हुई है।

आज हमारा देश दुनिया में सबसे ज्यादा मोबाइल फोन उपयोग करने वाला देश है। देश का लगभग प्रत्येक गाँव मोबाइल से जुड़ गया है और देश के एक कौने से दूसरे कौने में संवाद आसान हो गया है साथ ही मोबाइल पर वीडियो काल से हम एक दूसरे से आमने सामने बात कर सकते हैं। इसके अलावा इंटरनेट द्वारा, गूगल द्वारा समस्त जानकारी प्राप्त की जा सकती हैं।

(3) स्वतंत्रता के पश्चात मेडिकल साइंस– स्वतंत्रता के पश्चात् मेडिकल साइंस में अभूतपूर्व परिवर्तन हुये हैं। कोई सोच नहीं सकता था कि मेडिकल साइंस इतना विकसित हो जायगा। स्वतंत्रता के समय मनुष्य की वीमारियों को लेकर जो जटिल से जटिल समस्यायें थीं, वो आज सब की सब सुलझ गई हैं। जो कठिन था वो सरल वन गया है। जो असम्भव था वह सम्भव बन गया है। किसी समय देश में तीन प्रकार की चेचक पाई जाती थीं (1) स्मॉल पॉक्स (2) चिकिन पॉक्स (3) मीजल्स। लाखों लोग इससे प्रभावित होते थे, कई लोग अपनी आँखों की रोशनी गवां देते थे, और कई तो अपनी जान तक गवां देते थे। आज मेडिकल साइंस की बदौलत यह वीमारी लगभग विदा हो गई है। कभी कभार कहीं मीजल्स भर देखने को मिलती हैं। तपेदिक, जो कभी जानलेवा वीमारी हुआ करती थी, इसका कोई इलाज नहीं था, जिसको यह हो जाती थी लोग सोचते थे अब इसका अंतिम समय आ गया है, किन्तु आज यह वीमारी आसानी से ठीक हो जाती है और कोई मौत नहीं होती। लाइलाज शुगर की वीमारी आज सहजता से ठीक हो रही है। लाखों लोगों को मेडिकल साइंस की बदौलत

नया जीवन मिला है। लीवर सिरोसिस, एक गम्भीर बीमारी है जो जानलेवा है, किन्तु मेडिकल साइंस ने इसका इलाज भी खोज लिया है। आज के युग में लीवर ट्रांसप्लांट करके आसानी से इस बीमारी से छुटकारा पाया जा सकता है। लोगों को इससे नया जीवन मिल रहा है। इसी तरह गुर्दे से संबंधित घातक बीमारी जिसमें रक्त में ब्लड यूरिया बहुत बढ़ जाता है और आदमी की मौत तक हो जाती है। इस बीमारी में डायलिसिस करके भी मरीज को आराम मिल जाता है और किडनी ट्रासप्लांट करके बीमारी से पूर्ण रूपेण छुटकारा पाया जा सकता है। यह सब मेडिकल साइंस की बदौलत सम्भव हुआ है। हृदय सम्बन्धी बीमारी से पहले के जमाने में मनुष्य की मृत्यु तक हो जाती थी, किन्तु बीमारी का पता तक नहीं चलता था। आज रक्तचाप नाप कर, ईसीजी करके इंजियोग्राफी करके हृदय सम्बन्धी बीमारी का आसानी से पता लगाया जा सकता है और हृदय का जटिल से जटिल ऑपरेशन सफल हो रहा है। एक समय पोलियो एक लाइलाज बीमारी हुआ करती थी, लाखों लोग विकलांग पैदा होते थे, बहुत से तो जन्म के बाद भी विकलांग हो जाते थे। किन्तु आज हमें अपने मेडिकल साइंस पर गर्व होना चाहिए कि आज कोई भी व्यक्ति पोलियोग्रस्त पैदा नहीं हो रहा है पोलियो विदा हो गया है। विकलांग लोगों के जीवन में आशा की एक नई किरण जागी है आज बेहतर से बेहतर कृत्रिम अंग देश में बनाये जा रहे है और विकलांग लोगों को प्रदान किया जा रहे हैं जिससे विकलांगता दूर हो रही है। टाइफाइड बुखार एक समय घातक हुआ करता था, आँतों में छाले पड़ जाते थे इसे ठीक होने में महीनों लग जाते थे और मरीज बहुत कमजोर हो जाता था आज मेडिकल साइंस की बदौलत दवाइयों से कुछ हतों में ठीक हो जाता है।

(4) कृषि के क्षेत्र में– 1950 के दशक के बाद भारत ने कृषि उत्पादन पर विशेष ध्यान दिया व उन्नत किश्मों के अनाज, फल व सब्जियों के उत्पादन को बढ़ाया। यह वृद्धि तभी संभव थी जब कृषि क्षेत्र में लगातार निवेश, भूमि सुधार व बुनियादी ढाचे को मजबूत किया जाये। कृषि क्षेत्र को समृद्ध करने में भारतीय वैज्ञानिक एम एस स्वामीनाथन व बाबू जगजीवन राम को भारत में हरित क्राँति लाने का श्रेय जाता है। भारतीय कृषि को उन्नत बनाने में भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् द्वारा महत्वपूर्ण योगदान दिया गया। भारतीय कृषि-बायोटेक क्षेत्र में भी लगातार वृद्धि हो रही है। नयी-नयी अनुवांशिक पद्धति से तैयार किस्मों का उत्पादन किया जा रहा है तथा आज भारत कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भर है व बहुत उन्नत फसलों का निर्यातक देश भी बन गया है इसलिये हमारा देश कृषि प्रधान देश है।

(5) अंतरिक्ष अनुसंधान के संबंध में– 1962 में भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान का गठन हुआ भारत ने अंतरिक्ष में जाने का निर्णय लिया। विक्रमसारा भाई के नेतृत्व में यह कार्य शुरू किया गया। आज हमने अपने अनुसंधानों के कारण विश्व की छठी अंतरिक्ष एजेंसी बन चुकी है। इसरो राष्ट्र के उपयोग के लिये उपग्रह उत्पाद एवं उपकरणों का विकास कर प्रदान कर रहा है। प्रसारण, संचार, मौसम पूर्वानुमान, आपदा प्रबंधन उपकरण दूरस्थ शिक्षा प्रणाली एवं भौगोलिक सूचना में अहम योगदान दे रहा है आज इसरो भारत के अलावा दुनिया के 17 देशों के उपग्रहों को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष की कक्षा में स्थापित कर चुका है। सर्वप्रथम सन् 1975 में भारत के पहले आर्यभट्ट को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में स्थापित कर भारत ने अपने अंतरिक्ष

ISSN 2395-051X

मिशन की शुरुवात की। अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की एक प्रमुख उपलब्धि 24 सितम्बर 2014 को प्राप्त की जिसमें मंगलयान उपग्रह को सफलतापूर्वक मंगल ग्रह के परिभ्रमण कक्षा में स्थापित कर भारत ने अंतरिक्ष में सफलता का परचम लहराया। इसरो ने चंद्रयान 1 (22 अक्टूबर 2008) व चन्द्रयान 2 (22 जुलाई 2019) उपग्रहों को सफलता से प्रक्षेपित किया।

हम सभी का सौभाग्य है कि हम आजाद भारत के इस ऐतिहासिक कालखंड के साक्षी बन रहे है, जिसमें हमारा देश उन्नति की नई ऊँचाईयों को छू रहा है। आज का भारत विश्व में अपना नाम अग्रिम पंक्ति में लिखवा चुका है जिसका महत्वपूर्ण कारण हमारे वैज्ञानिकों द्वारा दिन रात अथक प्रयास एवं मेहनत का परिणाम है आज हमारे वैज्ञानिकों का नाम सारी दुनिया में आदर के साथ लिया जाता है। लगभग हर क्षेत्र में हमारे वैज्ञानिक अथक मेहनत के द्वारा देश के विकास में अपना योगदान दे रहे हैं जिसके परिणामस्वरूप हम लगातार प्रगति पथ की ओर बढ़ रहे हैं। स्वतंत्रता के बाद भारत ने शिक्षा, डिजिटल इंडिया, प्रौद्यागिकी, उत्पादन, संचार व रोजगार के क्षेत्रों में अनेकों उपलब्धियाँ हासिल की है।

संदर्भ -

1. पी.के. राय (1992) आधुनिक भारत का इतिहास, म.प्र. पाठ्य पुस्तक निगम
2. इसरो बैलगाड़ी से उपग्रहों की सेंचुरी तक 2018 अभिगमन तिथि 7 जुलाई 2018, बैंगलोर
3. चरक संहिता (1960) डॉ. बह्मानंद त्रिपाठी, आयुर्वेदाचार्य डिजिटल पुस्तकालय, नई दिल्ली।